Roll No. ……..

MASL–103

भारतीय दर्शन

एम. ए. संस्कृत (एमएएसएल–12/16)

First Year, Examination, 2017

समय **: 3** घंटा पूर्णांक **: 70**

नोट : यह प्रश्न पत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सांख्यकारिका के अनुसार 'पुरुषबहुत्व' सिद्ध कीजिए।
2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए—
   (क) भेदानां परिमाणात् समन्वयाच्छक्तितः प्रवृत्तेश्च।
   (ख) त्रिविधं प्रमाणमिष्टं प्रमेयसिद्धिः प्रमाणाद्धि।
   (ग) प्रकृतेर्महांस्ततोऽहङ्कारस्तस्माद् गणश्च षोडशकः।
   तस्मादपि षोडशकात् पञ्चभ्यः पञ्चभूतानि॥

3. वेदान्तसार के अनुसार अज्ञान की परिभाषा देते हुए उसकी शक्तियों की व्याख्या कीजिए।
4. तर्कभाषा के आधार पर कारण के स्वरूप एवं भेदों की व्याख्या कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल छः (06) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सांख्यकारिका के अनुसार पुरुष की सिद्धि कैसे होती है ?
2. सांख्य के कारणविषयक सिद्धान्त को क्या कहते हैं ? व्याख्या कीजिए।
3. अद्वैत वेदान्त के अनुसार सत्ताएँ कितनी हैं ? स्पष्ट कीजिए।
4. वेदान्तसार के अनुसार वेदान्तशास्त्र के अध्ययन का 'प्रयोजन' स्पष्ट कीजिए।
5. तर्कभाषा के अनुसार 'अलौकिक प्रत्यक्ष' की व्याख्या कीजिए।
6. तर्कभाषा के अनुसार 'परार्थानुमान' क्या है ? स्पष्ट कीजिए।
7. जैनदर्शन के अनुसार जीव के अस्तित्व का प्रमाण प्रस्तुत कीजिए।
8. चार्वाक दर्शन की मोक्षविषयक अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. विशिष्टाद्वैत दर्शन के प्रवर्तक कौन हैं ?
   (क) आचार्य शंकर
   (ख) आचार्य रामानुज
   (ग) आचार्य मध्व
   (घ) आचार्य भास्कर

2. सांख्य दर्शन के अनुसार तत्वों की संख्या कितनी है ?
   (क) 20 (ख) 30
   (ग) 25 (घ) 05

3. 'सांख्यकारिका' किसकी रचना है ?
   (क) ईश्वरकृष्ण (ख) आसुरि
   (ग) पंचशिख (घ) कपिल

4. सांख्यदर्शन में दुःख कितने हैं ?
   (क) पाँच (ख) तीन
   (ग) चार (घ) असंख्य

5. तर्कभाषा के अनुसार प्रमेय कितने हैं ?
   (क) बारह (ख) चौदह
   (ग) बीस (घ) सोलह

6. 'लिंगपरामर्श' को क्या कहते हैं ?

(क) उपमान (ख) प्रत्यक्ष

(ग) अनुमान (घ) शिव

7. 'सद्' तथा 'असद्' से अनिर्वचनीय किसे कहा गया है ?

(क) अज्ञान (ख) ज्ञान

(ग) आत्मा (घ) पुरुष

8. वेदान्तसार के अनुसार संकल्प-विकल्प करने वाली अंतःकरण की वृत्ति कौन-सी है ?

(क) मन (ख) बुद्धि

(ग) आत्मा (घ) हृदय

9. जैनदर्शन के अनुसार देश, काल की सीमा से रहित ज्ञान कौन सा है ?

(क) अवधि ज्ञान (ख) तुरीय ज्ञान

(ग) केवल ज्ञान (घ) मति ज्ञान

10. चार्वाक दर्शन के अनुसार प्रमाण कितने हैं ?

(क) चार (ख) पाँच

(ग) छः (घ) एक